हरियाणा में मादक पदार्थ की ज़ब्ती में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

हरियाणा में वर्ष 2025 की पहली छमाही में मादक पदार्थों, **विशेषकर हेरोइन और कोकीन की ज़ब्ती में तीव्र वृद्धि देखी गई है।**

- हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (HSNCB) के अनुसार, **राज्य में हेरोइन की ज़ब्ती दोगुनी से अधिक हो गई है,** जबकि **वर्ष 2024** में इसी अवधि की तुलना में बरामद कोकीन की मात्रा **में 14 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है।**

मुख्य बिंदु

- **नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ (NDPS) मामलों में वृद्धि:**
  - नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत नशीली दवाओं से संबंधित FIR में 28.75% की वृद्धि हुई, जनवरी से जून 2025 तक 1,858 मामले दर्ज किये गए, जबकि हरियाणा में 2024 में 1,657 मामले दर्ज किये जाएँगे।
    - वाणिज्यिक मात्रा के मामलों में लगभग 29% की वृद्धि हुई है, जो 2024 में 166 से बढ़कर 2025 में 233 हो गए हैं, जिनमें अक्सर संगठित तस्करी समूह शामिल होते हैं।
- **भारत में नशीली दवाओं का प्रचलन (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) डेटा):**
  - **भांग: 3.1 करोड़** लोग (2.8%) भांग उपयोगकर्त्ता हैं, जिनमें से **72 लाख** (0.66%) भांग (Cannabis) से संबंधित समस्याओं का सामना कर रहे हैं।
  - **ओपिओइड का उपयोग: 2.06%** जनसंख्या ओपिओइड का उपयोग करती है और लगभग **0.55%** (60 लाख) को ओपिओइड निर्भरता के लिये उपचार सेवाओं की आवश्यकता है।
  - **शामक: 1.18 करोड़ (1.08%)** व्यक्ति गैर-चिकित्सीय प्रयोजनों के लिये शामक का उपयोग करते हैं।
  - **इनहेलेंट:** इनहेलेंट का दुरुपयोग **1.7% बच्चों और किशोरों को प्रभावित करता है, जो वयस्कों में 0.58% की व्यापकता** से काफी अधिक है। लगभग **18 लाख बच्चों को** इनहेलेंट के दुरुपयोग से निपटने के लिये सहायता की आवश्यकता है।
  - **इंजेक्शन द्वारा नशीली दवाओं का प्रयोग:** लगभग **8.5 लाख** लोग नशीली दवाओं का इंजेक्शन द्वारा प्रयोग करते हैं, जिन्हें **पीपुल हू इंजेक्ट ड्रग्स (PWID) के नाम से जाना जाता है।**
- **संबंधित उपाय:**
  - **विधायी:**
    - स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (NDPS) अधिनियम, 1985: यह स्वापक औषधियों और मन:प्रभावी पदार्थों के उत्पादन, निर्माण और तस्करी को नियंत्रित करता है।
    - **औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940** और **स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ के अवैध व्यापार की रोकथाम (PITNDPS) अधिनियम, 1988** मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग को नियंत्रित करने एवं रोकने के लिये विधि संरचना को नियंत्रित करते हैं।
- **संस्थागत उपाय:**
  - राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA): यह भारत में **केंद्रीय आतंकवाद विरोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी है।**
    - यह अंतर-राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों वाले मामलों की जाँच करता है, जिसमें आतंकवाद से जुड़े नशीली दवाओं की तस्करी नेटवर्क, हथियारों की तस्करी और सीमा पार से घुसपैठ शामिल हैं।
  - **राष्ट्रीय नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो (NCB):**
    - **NCB** भारत की एक **नोडल ड्रग कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसी है। यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय करता है और** सार्क ड्रग अपराध निगरानी डेस्क (SDOMD) जैसी पहलों में भाग लेता है।
  - **अन्य प्रवर्तन एजेंसियाँ:** राजस्व **खुफिया निदेशालय (DRI)**, **सीमा शुल्क विभाग** और विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ **नशीली दवाओं की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिये मिलकर कार्य करती हैं।**

विभिन्न औषधि प्रकार और पदार्थ

दवा का प्रकार	विशेषताएँ
उत्तेजक	• उत्तेजक पदार्थ **केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करते हैं**, सतर्कता और शारीरिक गतिविधि बढ़ाते हैं। वे मूड स्विंग, अनिद्रा,

	अनियमित दिल की धड़कन और चिंता का कारण बन सकते हैं। • **उदाहरण:** कोकीन, क्रैक, एम्फेटामाइन्स तथा एमाइल या ब्यूटाइल नाइट्राइट्स जैसे इनहेलेंट्स
अवसाद	• शराब, बार्बिट्यूरेट्स और ट्रैंक्विलाइज़र जैसे अवसादक पदार्थ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को धीमा कर देते हैं, जिससे आराम मिलता है। • शराब के दुरुपयोग से बोलने में कठिनाई, याददाश्त में कमी तथा गंभीर मामलों में बेहोशी या मृत्यु हो सकती है। • **उदाहरण:** बार्बिट्यूरेट्स और ट्रैंक्विलाइज़र
हैलुसिनोजन	• मतिभ्रम उत्पन्न करने वाली दवाएँ धारणा को बदल देती हैं, जिससे भावनात्मक उतार-चढ़ाव, व्यामोह, भ्रम और उलझन उत्पन्न होती है। हालाँकि ये शारीरिक रूप से नशे की लत नहीं हैं, लेकिन ये स्थायी मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुँचा सकती हैं। • **उदाहरण:** LSD, एक्स्टसी, साइलोसाइबिन (magic mushrooms)
वियोजनकारी औषधियाँ	• **वियोजनकारी औषधियाँ शरीर** और पर्यावरण से अलगाव उत्पन्न करती हैं, मोटर कार्यों को बाधित करती हैं और भ्रम उत्पन्न करती हैं। • **उदाहरण:** केटामाइन, DXM (डेक्सट्रोमेथॉरफन)
नशीले पदार्थों	• ये **अत्यधिक नशे की लत वाले होते हैं** और दर्द से राहत और उत्साह प्रदान करते हैं। • **उदाहरण:** हेरोइन, अफीम, औषधीय दर्द निवारक (जैसे, कोडीन, मॉर्फिन)
इनहेलेंट	• इनहेलेंट के कारण सिरदर्द, मतली, समन्वय की हानि तथा गंभीर मामलों में दम घुटने या मृत्यु हो सकती है। • **उदाहरण:** गैसोलीन, पेंट थिनर, एमाइल नाइट्राइट
कैनबिस/भांग	• **कैनाबिस सैटिवा पौधे से प्राप्त** कैनाबिस का उपयोग आमतौर पर मारिजुआना, हशीश और हैश ऑयल जैसे रूपों में किया जाता है। • इसके दुरुपयोग से स्मृति, एकाग्रता प्रभावित होती है तथा भ्रम, लत और दीर्घकालिक संज्ञानात्मक समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। • **उदाहरण:** मारिजुआना, हशीश, हैश ऑयल

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/surge-in-narcotic-seizures-in-haryana